

प्रपक,

पी0के0महान्ति,

सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

आयुक्त,

ग्राम्य विकास,

उत्तराखण्ड, पीडी।

ग्राम्य विकास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 3 अगस्त, 2007

विषय:- 12वां वित्त आयोग भारत सरकार द्वारा संस्तुत अनुदान की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक 1430/5-बजट/07-08 दिनांक 21 जुलाई, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत की गई धनराशि में से जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड घाट, पोखरी तथा थराली के निम्नांकित तालिका में उल्लिखित मदों की विशेष मरम्मत हेतु उनके सम्मुख स्तम्भ-4 में अंकित कुल धनराशि रु0 2.91 लाख (रु0 दो लाख इक्यानवे हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क0स0/विकास खण्ड का नाम	कार्य का नाम	प्रस्तावित	अनुमोदित
1	2	3	4
1.विकास खण्ड-घाट	कार्यालय भवन की छत का पुनःनिर्माण/विशेष मरम्मत	2.00	1.84
2.विकास खण्ड-पोखरी	कार्यालय भवन व आवासीय भवनों की मरम्मत	0.60	0.52
3.विकास खण्ड-थराली	आवासीय/अनावासीय भवनों की मरम्मत	0.62	0.55
	योग:-	3.22	2.91

2. उक्त वित्तीय स्वीकृति निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती है।

- (1) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा 20.11.07 अनुमोदित दर को जो दर शिदयुक्त होकर 20.12.07 स्वीकृत नहीं है प्रयोज्य माना जायेगा। से ली गई हो। की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- (2) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति के कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है स्वीकृति नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4) एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

- (5) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग प्रचलित दशों /विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (6) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ आवश्यक करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- (7) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
3. उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 की अनुदान संख्या -07 के लेखाशीर्षक 2059-लोक निर्माण कार्य-80-सामान्य-053-रख-रखाव तथा मरम्मत(आयोजनेतर)-01 केन्द्रीय आयोजनागत /केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-0101-12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत भवनों का अनुरक्षण-29-अनुरक्षण के नामे डाला जायेगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-128(4) वित्त अनु0-4/2007, दिनांक 24 अगस्त, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0के0महान्ति
सचिव)

संख्या 555(1)/XI/06/56(32)/07 तददिनांक:

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
3. अपर सचिव, 12वाँ वित्त आयोग, वित्त आयोग निदेशालय, देहरादून।
4. जिलाधिकारी, चमोली।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, चमोली।
6. मुख्य अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-4
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं ससाधन सचिवालय देहरादून।
9. एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(दमयन्ती बाहर)
अपर सचिव